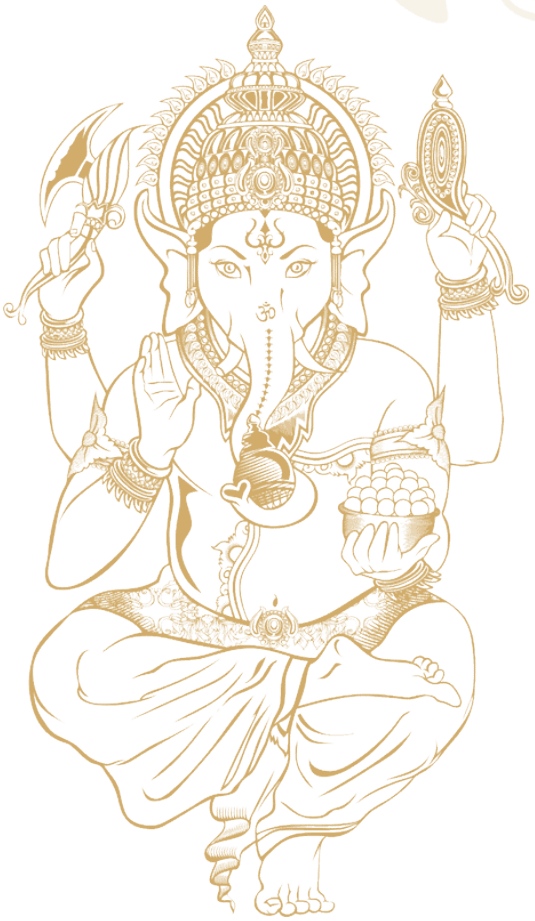

???????? ????

28 Sep 2011

10:22 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119584004

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/09/2011	जन्म तिथि	**27-28/09/2025**
बुधवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 10:22:00	जन्म समय	00:19:10 घंटे
घटी 10:24:07	जन्म समय(घटी)	45:17:32 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:21	सूर्योदय	06:12:09
18:12:18	सूर्यास्त	18:11:35
24:01:32	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:03

वृश्चिक	लग्न	मिथुन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	बुध
कन्या	राशि	वृश्चिक
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
हस्त	नक्षत्र	अनुराधा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	शनि
4	चरण	4
ब्रह्म	योग	आयुष्मान
बव	करण	कौलव
ठ-ठाकुर	जन्म नामाक्षर	ने-नैनी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	कीटक
महिष	योनि	मृग
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	सर्प
14	गत/तत्कालिक वर्ष	15

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
अनुराधा	1	03:48:54	वृश्चि			लग्न			मिथु	23:32:29	2	पुनर्वसु
हस्त	1	10:42:13	कन्या			सूर्य			कन्या	10:42:12	1	हस्त
हस्त	4	21:15:32	कन्या			चंद्र			वृश्चि	16:15:47	4	अनुराधा
पुष्य	3	11:30:12	कर्क			मंगल			तुला	09:27:47	1	स्वाति
हस्त	1	10:10:59	कन्या		अ	बुध		अ	कन्या	21:47:22	4	हस्त
भरणी	1	14:58:39	मेष	व		गुरु			मिथु	27:50:29	3	पुनर्वसु
हस्त	4	22:14:43	कन्या			शुक्र			सिंह	15:53:52	1	पू०फाल्गुनी
चित्रा	1	24:15:16	कन्या		अ	शनि	व		मीन	03:47:08	1	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	2	23:05:41	वृश्चि	व		राहु	व		कुंभ	23:58:55	2	पू०भाद्रपद
रोहिणी	4	23:05:41	वृष	व		केतु	व		सिंह	23:58:55	4	पू०फाल्गुनी
उ०भाद्रपद	2	08:27:52	मीन	व		मु			मक	03:48:54	3	उत्तराषाढ़ा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:03

लग्न-चलित

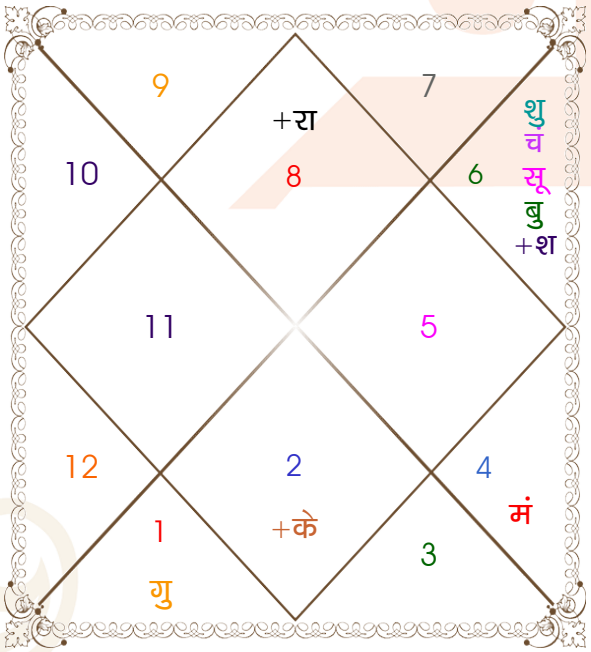

वर्ष लग्न कुंडली

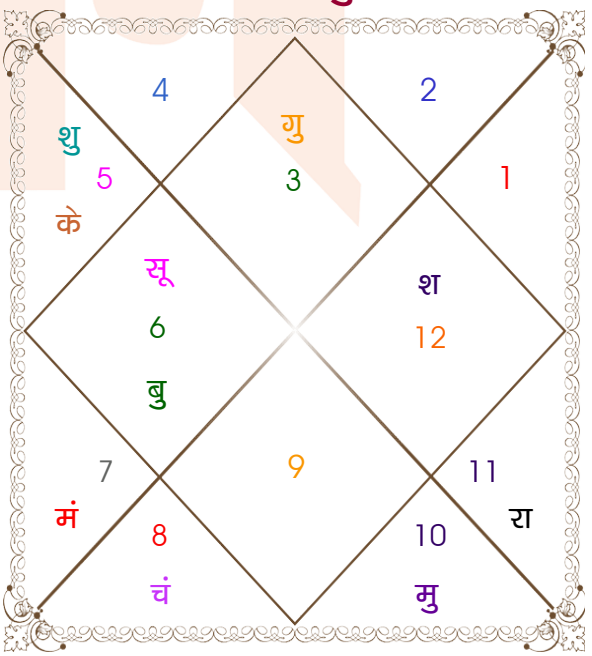

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शनि - शनि		राहु - शनि - बुध		राहु - शनि - केतु		राहु - शनि - शुक्र	
25/05/2025 04:44		06/11/2025 00:23		02/04/2026 11:39		02/06/2026 05:00	
06/11/2025 00:23		02/04/2026 11:39		02/06/2026 05:00		22/11/2026 16:51	
शनि	20/06/2025 07:02	बुध	26/11/2025 21:47	केतु	06/04/2026 00:40	शुक्र	01/07/2026 02:59
बुध	13/07/2025 15:25	केतु	05/12/2025 12:14	शुक्र	16/04/2026 03:34	सूर्य	09/07/2026 19:10
केतु	23/07/2025 06:10	शुक्र	30/12/2025 02:07	सूर्य	19/04/2026 04:26	चंद्र	24/07/2026 06:09
शुक्र	19/08/2025 17:27	सूर्य	06/01/2026 11:05	चंद्र	24/04/2026 05:52	मंगल	03/08/2026 09:03
सूर्य	27/08/2025 23:14	चंद्र	18/01/2026 18:01	मंगल	27/04/2026 18:53	राहु	29/08/2026 09:38
चंद्र	10/09/2025 16:52	मंगल	27/01/2026 08:29	राहु	06/05/2026 21:29	गुरु	21/09/2026 12:48
मंगल	20/09/2025 07:37	राहु	18/02/2026 11:22	गुरु	14/05/2026 23:48	शनि	19/10/2026 00:05
राहु	15/10/2025 00:58	गुरु	10/03/2026 03:16	शनि	24/05/2026 14:33	बुध	12/11/2026 13:58
गुरु	06/11/2025 00:23	शनि	02/04/2026 11:39	बुध	02/06/2026 05:00	केतु	22/11/2026 16:51

राहु - शनि - सूर्य		राहु - शनि - चंद्र		राहु - शनि - मंगल		राहु - शनि - राहु	
22/11/2026 16:51		13/01/2027 18:00		10/04/2027 11:56		10/06/2027 05:17	
13/01/2027 18:00		10/04/2027 11:56		10/06/2027 05:17		13/11/2027 08:45	
सूर्य	25/11/2026 07:19	चंद्र	20/01/2027 23:30	मंगल	14/04/2027 00:57	राहु	03/07/2027 15:24
चंद्र	29/11/2026 15:24	मंगल	26/01/2027 00:57	राहु	23/04/2027 03:33	गुरु	24/07/2027 11:04
मंगल	02/12/2026 16:16	राहु	08/02/2027 01:14	गुरु	01/05/2027 05:52	शनि	18/08/2027 04:25
राहु	10/12/2026 11:39	गुरु	19/02/2027 14:50	शनि	10/05/2027 20:36	बुध	09/09/2027 07:18
गुरु	17/12/2026 10:12	शनि	05/03/2027 08:28	बुध	19/05/2027 11:04	केतु	18/09/2027 09:54
शनि	25/12/2026 15:59	बुध	17/03/2027 15:24	केतु	23/05/2027 00:05	शुक्र	14/10/2027 10:29
बुध	02/01/2027 00:57	केतु	22/03/2027 16:51	शुक्र	02/06/2027 02:58	सूर्य	22/10/2027 05:51
केतु	05/01/2027 01:49	शुक्र	06/04/2027 03:50	सूर्य	05/06/2027 03:50	चंद्र	04/11/2027 06:09
शुक्र	13/01/2027 18:00	सूर्य	10/04/2027 11:56	चंद्र	10/06/2027 05:17	मंगल	13/11/2027 08:45

राहु - शनि - गुरु		राहु - बुध - बुध		राहु - बुध - केतु		राहु - बुध - शुक्र	
13/11/2027 08:45		31/03/2028 03:50		10/08/2028 02:33		03/10/2028 10:29	
31/03/2028 03:50		10/08/2028 02:33		03/10/2028 10:29		07/03/2029 16:02	
गुरु	01/12/2027 20:53	बुध	18/04/2028 20:27	केतु	13/08/2028 06:36	शुक्र	29/10/2028 07:25
शनि	23/12/2027 20:19	केतु	26/04/2028 13:10	शुक्र	22/08/2028 07:56	सूर्य	06/11/2028 01:41
बुध	12/01/2028 12:13	शुक्र	18/05/2028 12:57	सूर्य	25/08/2028 01:08	चंद्र	19/11/2028 00:09
केतु	20/01/2028 14:32	सूर्य	25/05/2028 03:17	चंद्र	29/08/2028 13:47	मंगल	28/11/2028 01:28
शुक्र	12/02/2028 17:42	चंद्र	05/06/2028 03:11	मंगल	01/09/2028 17:51	राहु	21/12/2028 08:18
सूर्य	19/02/2028 16:16	मंगल	12/06/2028 19:55	राहु	09/09/2028 21:27	गुरु	11/01/2029 01:03
चंद्र	02/03/2028 05:51	राहु	02/07/2028 14:55	गुरु	17/09/2028 03:18	शनि	04/02/2029 14:56
मंगल	10/03/2028 08:10	गुरु	20/07/2028 05:09	शनि	25/09/2028 17:46	बुध	26/02/2029 14:43
राहु	31/03/2028 03:50	शनि	10/08/2028 02:33	बुध	03/10/2028 10:29	केतु	07/03/2029 16:02

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अनादर की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यो से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी। इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी।इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट एवं परेशानी की आप अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में कमजोरी रहेगी तथा स्वाभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा फलतः सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में आप परेशानी की अनुभूति करेंगी।शत्रु पक्ष भी इस समय आपसे प्रबल रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी तथा ये प्रत्येक क्षेत्र में आपके लिए परेशानियां उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी अतः इससे पूर्ण सावधान रहें।देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगी।साथ ही मानसिक रूप से भी आपको परेशानी की अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर इसमें अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। नौकरी या राजनीति में आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे अतः इस समय इनकी उपेक्षा न करें। साथ ही व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें एवं किसी नए कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। अतः अपने कार्यो को बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें। इस समय आपको किसी मुकद्दमे या चुनाव आदि में भी पराजय का सामना करना पड़ सकता है।साथ ही दूर समीप की कोई यात्रा भी हो सकती है लकिन इससे कोई विशेष लाभ नहीं होगा। अतः ऐसे समय में आप धैर्य तथा शान्ति पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करेंगी तभी अशुभ फलों में न्यूनता होगी।